This question paper contains **2** printed pages]

Roll No. | | | | | | | | | | | |

S. No. of Question Paper : **7902**

Unique Paper Code : **72132802** **GC**

Name of the Paper : **Upanisad and Gita**

Name of the Course : **AECC – Sanskrit B1**

Semester : **I**

Duration : **3 Hours** Maximum Marks : **75**

(Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.)

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।)

Note : Unless otherwise required in a question, answer should be written either in *Sanskrit* or in *Hindi* or in *English*; but the same medium should be used throughout the paper.

टिप्पणी : अन्यथा आवश्यक न होने पर इस प्रश्नपत्र का उत्तर **संस्कृत** या **हिंदी** या **अंग्रेजी** किसी एक भाषा में दीजिए; परन्तु सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए ।

भाग 'क'

(Part 'A')

भाग 'क' में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 2×15=30

Answer any *two* questions from the Part 'A'.

1. ईशावास्योपनिषद् के अनुसार 'ईश्वर' की संकल्पना पर अपने विचार व्यक्त कीजिए ।

Elaborate the concept of Isvara according to Isavasyopanisad

P.T.O.

2. ईशावास्योपनिषद् के अनुसार विद्या और अविद्या को समझाइये ।

Explain Vidya and Avidya according to Isavasyopanisad.

3. ईशावास्योपनिषद् का सार अपने शब्दों में लिखिए ।

Write the summary of Isavasyopanisad in your own words.

भाग 'ख'

(Part 'B')

भाग 'ख' में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 2×15=30

Answer any *two* questions from the Part 'B'.

4. गीता के द्वितीय अध्याय के अनुसार आत्मा अनात्मा से किस प्रकार भिन्न है ?

How does Atma differ from अनात्मा according to the second chapter of Gita ?

5. 'योगः कर्मसु कौशलम्' की व्याख्या कीजिए ।

Explain 'योगः कर्मसु कौशलम्'.

6. गीता के द्वितीय अध्याय के अनुसार स्थितप्रज्ञ का वर्णन कीजिये ।

Describe Sthitaprajna according to the second chapter of Gita.

7. गीता के द्वितीय अध्याय का सार अपने शब्दों में लिखिए ।

Write the summary of the second chapter of Gita in your own words.

भाग 'स'

(Part 'C')

8. निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए । 3×5=15

Write short notes on any *three* of the following :

ब्रह्म, कर्म-सिद्धान्त, सृष्टि, परमात्मा, ईश्वर ।